संपादकीय

चुनावों की कसक

आखिरकार लगभग दो माह चले सत्रहवीं लोकसभा के चुनाव सातवें चरण के साथ ही समाप्त हो गये। करोड़ों लोगों का चिलचिलाती धूप में घर से बाहर निकलना और लाइनों में खड़े होकर वोट डालने की बारी का इंतजार करने के दृश्य दुनिया में दुर्लभ ही होंगे। तकरीबन 90 करोड़ मतदाताओं वाले विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का खिताब इसीलिये भारत को मिला है। मगर इस चुनाव में जैसी कटुता, कड़वे बोल और आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला चला, वैसे पहले कम ही देखने में आया है। दशकों पुराने गड़े मुर्दे उखाड़े गये और सेना से लेकर उन तमाम प्रतिष्ठानों को चुनावी जंग के बीच लाया गया जो हमारे लोकतंत्र की बुनियाद रहे हैं। यहां तक कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के हत्यारे तक को राष्ट्रभक्त का दर्जा देकर गांधी को कमतर आंकने की कोशिश की गई। ऐसे में यदि बिहार के मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री से प्रज्ञा ठाकुर को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाने की बात कह रहे हैं तो उनको सुना जाना चाहिए। बहरहाल, पश्चिम बंगाल की लगातार होने वाली हिंसा तथा प्रसिद्ध समाज सुधारक ईश्वर चंद विद्यासागर की मूर्ति को खंडित करने का प्रकरण ऐसा मुद्दा था, जिसने हर संवेदनशील नागरिक को विचलित किया। दरअसल, सत्तारूढ़ दल व विपक्ष के बीच जो संवादहीनता पिछले पांच वर्षों तक बनी रही, वह भी इस आम चुनाव अभियान को कसैला बनाने का कारण रहा है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि लोकतंत्र सामंजस्य, समझ और सहयोग से ही चलता है। संवादहीनता की पराकाष्ठा ने इस चुनाव को कसैला बना दिया, जिसकी टीस समाज में लंबे समय तक व्याप्त रहेगी। निश्चित रूप से इस चुनावी जंग के दौरान नेताओं के आचार-विचार का असर समाज पर भी पड़ेगा जो लोगों के व्यवहार में आक्रामकता का वाहक बनेगा।

इस चुनाव की सबसे बड़ी विसंगति संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को आंच आना ही है। हमारे चुनाव आयोग ने इतने बड़े आम चुनावों के सफल ?आयोजन से दुनिया में साख अर्जित की थी। इसकी उपलब्धियां तमाम विकसित देशों से भी आगे रही हैं। दुनिया के तमाम लोकतंत्रों के प्रतिनिधि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली देखने भारत आते रहे हैं। इस बार आचार संहिता उल्लंघन के मामलों में जैसी कारगुजारियां सामने आईं, उसने इस संस्था की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचायी। यदि किसी मैच के निर्णायक की विश्वसनीयता ही संदिग्ध बता दी जायेगी तो मैच के परिणामों को भी संदेह की दृष्टि से देखा जायेगा। बहरहाल, इस चुनाव में साढ़े तीन हजार करोड़ रुपयों की नकद बरामदगी बताती है कि आज भी लोकतंत्र धनबल व बाहुबल के दबाव से मुक्त नहीं हो पाया है। कहा जाता है कि चुनाव के दौरान सरकारी बरामदगी कुल काले धन का महज दस फीसदी ही होता है, ऐसे में अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि इस चुनाव में कितना काला धन लगा होगा। पश्चिमी जानकार इस चुनाव में पचास हजार करोड़ खर्च करने की बात कर रहे हैं।

माल्या, नीरव मामलों की जांच करने वाला अपीलेट ट्राइब्यूनल विवादों में फंसा

नई दिल्ली (आरएनएस)। विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी जैसे संदिग्ध आर्थिक अपराधियों से जुड़े मामलों की जांच करने वाला प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट का अपीलेट ट्राइब्यूनल खुद विवादों में फंस गया है। अपीलेट ट्राइब्यूनल यानी के एक जज ने उसके चेयरमैन मनमोहन सिंह पर नाइंसाफी का आरोप लगाया। ट्राइब्यूनल की जज और इंडियन रेवेन्यू सर्विसेज की ऑफिसर अनन्या सेन का आरोप है कि चेयरमैन ने अपने अधिकारक्षेत्र से बाहर जाकर एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट को कथित मनी लॉन्ड्रिंग केस में मुकदमा झेल रहे बॉलीवुड के दो प्रोड्यूसर्स की संपत्ति जब्त करने से रोकने वाला आदेश जारी किया है। कई लीगल एक्सपर्ट्स ने इस घटना को अभूतपूर्व करार दिया है।

सेन एक ऑर्डर में इससे असहमति दर्ज कराई है, जिसे ईटी के संवाददाता ने देखा है। सेन ने मोनिका मलूका और रॉबिनसन दुग्गल के एसेट्स जब्त करने के अपने आदेश पर सिंह की तरफ से गलत तरीके से रोक लगाए जाने का आरोप लगाया है। सेन का आरोप है कि सिंह ने यह जानते हुए भी उनके आदेश रोक लगाई कि उन्होंने उसी दिन मामले में रोक हटाते हुए ईडी को जब्ती की कार्रवाई आगे बढ़ाने की इजाजत दी थी।

सेन ने अपने कमेंट में लिखा है, मनमोहन सिंह ने सभी कानूनों और विधिक प्रक्रिया का खुल्लमखुल्ला उल्लंघन करते हुए ऑर्डर/नोटिस (जिसे चुनौती दी गई हो) पर रोक लगाकर अपीलेंट (फिल्म प्रोड्यूसर्स) को लाभ दिया, जबकि उन्हें दूसरे बेंच के ऑर्डर को खारिज करने का कानूनन कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने यह जानते हुए भी ऐसा किया कि रोक को उसी दिन कुछ समय पहले मेरी तरफ से खारिज किया गया था।

इस मामले में खबर लिखे जाने तक सेन से ईटी की बात नहीं हो पाई थी जबकि दिल्ली हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज मनमोहन सिंह ने रिपोर्टर से बातचीत में अपने ऊपर लगे आरोपों का खंडन किया। मनमोहन सिंह तीन साल के लिए क्क्र के अपीलेट ट्राइब्यूनल चेयरमैन बनाए गए हैं। सिंह ने कहा, मैंने ऑर्डर इसलिए दिया कि रोक को खारिज करने वाला पिछला ऑर्डर फाइल में उपलब्ध नहीं था।

67 महीने में पहली बार घटी हवाई यात्रियों की संख्या

नई दिल्ली (आरएनएस)। निजी विमान सेवा जेट एयरवेज का परिचालन ठप होने के कारण उपलब्ध सीटों की संख्या कम रहने से इस साल अप्रैल में घरेलू मार्गों पर हवाई यात्रियों की संख्या 5.18 लाख घटकर एक करोड़ नौ लाख 95 हजार रह गयी। पिछले साल अप्रैल में यह आँकड़ा एक करोड़ 15 लाख 13 हजार रहा था और इस प्रकार इसमें 4.50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी है।

सितंबर 2013 के बाद यह पहला मौका है जब देश में हवाई यात्रियों की संख्या में कमी आयी है। वहीं, 4.50 प्रतिशत की गिरावट छह साल में नहीं देखी गयी। इससे पहले मार्च 2013 में हवाई यात्रियों की संख्या 5.7 प्रतिशत घटी थी। नागर विमानन महानिदेशालय द्वारा जारी आँकड़ों के अनुसार, घरेलू मार्गों पर यात्रियों की संख्या के लिहाज से अप्रैल में इंडिगो ने लगभग आधे बाजार पर अपना कब्जा जमा लिया। जनवरी में उसकी बाजार हिस्सेदारी 42.5 प्रतिशत थी जो अप्रैल में बढ़कर 49.9 प्रतिशत पर पहुँच गयी।

इस मामले में सरकारी विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया 13.9 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ दूसरे और स्पाइसजेट 13.1 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर रही। जेट एयरवेज ने 17 अप्रैल को तत्काल प्रभाव से परिचालन बंद करने की घोषणा की थी। उसकी बाजार हिस्सेदारी अप्रैल में 0.2 प्रतिशत रही। गोएयर की बाजार हिस्सेदारी 10.8 प्रतिशत, एयर एशिया की 6.2 प्रतिशत और विस्तारा की 4.7 प्रतिशत रही।

मतगणना के शुरुआती रुझान के बीच झूमा शेयर बाजार, सैंसेक्स 737.92 अंक चढ़ा

मुंबई (आरएनएस)। लोकसभा चुनाव के लिए जारी मतगणना के शुरुआती रुझानों में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को मिलती बढ़त के बीच शेयर बाजार झूम उठा है। सुबह शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ खुला। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स सुबह 9.58 बजे 737.92 अंकों की मजबूती के साथ 39,848.13 पर और निफ्टी भी लगभग इसी समय 214.10 अंकों की बढ़त के साथ 11,952.00 पर कारोबार करते देखे गए।

बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स सुबह 481.56 अंकों की शानदार बढ़त के साथ 39,591.77 पर जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी 163.4 अंकों की मजबूती के साथ 11,901.30 पर खुला।

महिला फुटबाल : मणिपुर को हराकर सेथू बना चैंपियन

लुधियाना (आरएनएस)। सबित्रा भंडारी की दो गोलों की मदद से सेथू एफसी ने मणिपुर पुलिस को 3-1 से हराकर हीरो इंडियन वुमन लीग (आईडब्ल्यूएल) के दूसरे संस्करण का खिताब अपने नाम कर लिया। यहां गुरु नानक स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले के 44वें मिनट में राधारानी देवी ने गोल कर मणिपुर पुलिस को 1-0 की बढ़त दिला दी और टीम पहले हाफ में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरा हाफ शुरू होने के बाद उमापति देवी 56वें आत्मघाती गोल कर बैठी, जिससे सेथू एफसी की टीम ने मैच में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली।

मतगणना : स्टॉक एक्सचेंजों ने बढ़ाई निगरानी

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड तथा शेयर बाजारों ने आम चुनाव के नतीजों के दिन किसी तरह की हेराफेरी तथा अत्यधिक उठा-पटक को रोकने के लिए निगरानी उपायों को मजबूत किया है। एक्जिट पोल में बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए के सत्ता में दोबारा आने का अनुमान लगाया जा रहा है। कारोबारी सत्र के लिए सेबी और शेयर बाजारों ने बाजार की निगरानी बढ़ाई है। अधिकारी ने कहा कि निगरानी बढ़ाने से संभावित गड़बड़ी करने वालों को रोका जा सकेगा। आमतौर पर गड़बड़ी करने वाले लोग शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव की स्थिति का फायदा उठाने का प्रयास करते हैं।

अधिकारी ने कहा कि सिंगापुर एक्सचेंज में निफ्टी वायदा एवं विकल्प में उतार-चढ़ाव पर निगाह रखी जाएगी। सिंगापुर एक्सचेंजों में कारोबार भारतीय बाजारों की तुलना में जल्दी शुरू होता है और उसके रुख का असर घरेलू बाजारों पर पड़ता है।

विश्वकप से पहले इग्लैंड क्रिकेट टीम ने बदला अपनी जर्सी का रंग

लंदन (आरएनएस)। आईसीसी विश्वकप की मेज़बान इंग्लैंड ने टूर्नामेंट के लिये अपनी जर्सी का अनावरण ज़ोर शोर से किया, लेकिन सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीर आते ही प्रशंसकों ने न सिर्फ इसे भारतीय टीम की जर्सी जैसा बताया बल्कि इसे लेकर कई हास्यास्पद टिप्पणियां भी कर डालीं। दरअसल इंग्लैंड ने आईसीसी टूर्नामेंट के लिये अपनी जर्सी वर्ष 1992 के विश्वकप से प्रेरणा लेकर तैयार की है, यह आखिरी मौका था जब इंग्लिश टीम ने विश्वकप के फाइनल में जगह बनाई थी। यह दिलचस्प है कि क्रिकेट के जन्मदाता कहे जाने वाले इंग्लैंड ने इस खेल के इतिहास में कभी भी वनडे विश्वकप नहीं जीता है। हालांकि 30 मई से उसकी मेज़बानी में होने जा रहे आईसीसी टूर्नामेंट में वह खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है।इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने ट्विटर पर अपने खिलाड़ियों की विश्वकप की नयी जर्सी में तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, विश्वकप की जर्सी, आपको कैसी लगी। ईसीबी के इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की झड़ी लग गयी जिसमें अधिकतर प्रशंसकों ने इंग्लिश टीम की जर्सी को भारतीय टीम की जर्सी जैसा बताया। कई प्रशंसकों ने लिखा, भारत और इंग्लैंड के मैच विश्वकप में दुविधा पैदा करने वाले होंगे। इंग्लैंड की विश्वकप जर्सी सादे नीले रंग की है जिसमें गहरे नीले रंग का कॉलर है। यह टीम इंडिया की जर्सी के समान रंग वाली है जिसे उसकी जर्सी के रंग के कारण 'टीम ब्लू' भी कहा जाता है। इस पुराने स्टाइल वाली रेट्रो जर्सी को उत्साहित करने वाली प्रतिक्रियाएं नहीं मिलीं और कुछ प्रशंसकों ने इसकी तुलना नीले रंग की बोरियों तक से कर दी।हालांकि इस बीच पूर्व इंग्लिश तेज़ गेंदबाज़ स्टुअर्ट ब्रॉड ने इसे सुंदर बताते हुये किट की तारीफ की। लेकिन अधिकतर प्रशंसकों को यह जर्सी पसंद नहीं आयी है। ईसीबी ने एक दिन पूर्व ही अपनी 15 सदस्यीय विश्वकप टीम की घोषणा की थी जिसकी कप्तानी इयोन मोर्गन संभालेंगे।

आज का राशिफल

मेषः- तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल होगी। आय में वृद्धि होगी। दांपत्य जीवन सुखमय व्यतीत होगा। छोटी-मोटी यात्रा हो सकती है।

वृषः- वाणी में कटु शब्दों के इस्तेमाल से बचें। यात्रा यथासंभव टालें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में कोताही न करें। बेकार में खर्च होगा। नौकरी में तनाव रहेगा।

मिथुनः- विवाद से दूर रहें। थकान व कमजोरी रह सकती है। दुष्ट प्रवृत्ति के लोगों से सावधान रहें। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा।

कर्कः- ऐश्वर्य के साधनों पर अधिक खर्च हो सकता है। शत्रु सक्रिय रहेंगे। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

सिंहः- बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। नौकरी में नया कार्य कर पाएंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्याः- कोई बुरी खबर मिल सकती है। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। नौकरी में कार्यभार रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। कोई पुराना रोग उभर सकता है।

तुलाः- पहले की गई मेहनत का फल अब मिलेगा। नया काम करने की इच्छा जागृत होगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

वृश्चिकः- भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। विवाद को तूल न दें। जल्दबाजी न करें।

धनुः- समय की अनुकूलता का लाभ लें। भरपूर प्रयास करें। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा।

मकरः- वाणी में कटु शब्दों के प्रयोग से बचें। बैठे-बिठाए समस्या उत्पन्न हो सकती है। व्ययवृद्धि होगी। समय पर कार्य न होने से तनाव रहेगा।

कुंभः- रुका हुआ पैसा मिल सकता है। भाग्य का साथ रहेगा। रुके काम पूरे होंगे। आय में वृद्धि होगी। नया काम मिल सकता है।

मीनः- योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

गार्लिक चिली प्रौन्स बनाने की विधि...

प्रौन्स को गार्लिक और चिली के साथ बनाया गया है. इसे बनाना काफी आसान है. इसे आप घर पर होने वाली डिनर पार्टी में भी सर्व कर सकते हैं.

सामग्री

प्रौन्स (4)

एक्ट्रा वर्जिन औलिव औयल (3 टेबल स्पून)

7-8 लहसुन की कलियां (टुकड़ों में कटा हुआ)

3-4 साबुत लाल मिर्च (टुकड़ों में कटा हुआ)

नमक (स्वादानुसार)

बनाने की विधि

प्रौन्स को साफ करने उसके शेल्स को अलग कर लें.

एक पैन में तेल को गर्म करें, इसे लहसुन और अदरक डालें, इसे एक मिनट पकाएं.

अब इसमें प्रौन्स डालें और इसमें अब 30 मिनट तक इसे भूनें.

इसमें अब नमक डालें.

इसे एक मिनट ?और पकने दें और इसे आधा ढककर पकाएं.

जब इसका रंग पिंक दिखाई देने लगे तो गैस बंद करके इसे गर्मागर्म सर्व करें.

शब्द सामर्थ्य- 72

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबास, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थित प्रसिद्ध जेल।

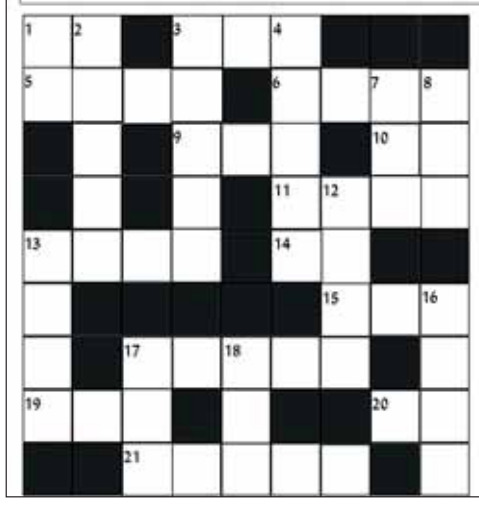

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 72 का हल

वा	स्ता	■	■	सि	स	की	■	■
जि	■	ल	प	ट	■	मा	चि	स
ब	द	ला	■	क	■	■	ल	■
■	■	ट	■	नी	ल	क	म	ल
ता	ली	■	का	■	की	■	■	हू
क	■	स	रो	का	र	■	■	लु
झां	■	ज	बा	न	■	म	सी	हा
क	च	ना	र	■	भा	र्या	■	न
■	र्म	■	■	ज	र	दा	■	■

सू-दोकू- 72

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.72 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2